दैनिक सवेरा टाइम्स
अंधेरे से उजाले की ओर...

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय ने बदली बंदियों की दिशा, बंदियों ने पास की स्किल परीक्षा

हरियाणा की जेलों में कौशल की किरण: 680 बंदियों को मिला नया जीवन, मिला रोजगार का मार्ग

सजा से सफर तक, 17 जेलों में कौशल क्रांति, बंदियों को मिला प्रमाणपत्र

सवेरा ब्यूरो

चंडीगढ़, 16 नवंबर : कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग के माध्यम से हरियाणा सरकार जेलों में बंदियों की जिंदगी बदलने की दिशा में कारगर कदम उठा रही है। अभियान में श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय भी भागीदारी निभा रहा है। बंदियों को जेलों में कौशल प्रदान कर उन्हें रोजगार के साथ जोड़ने की मुहिम रंग ला रही है। प्रदेश की 17 जेलों में बंदियों को विभिन्न जॉब रोल में प्रशिक्षण दिया गया। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के मूल्यांकन एवं प्रमाणन विभाग ने 680 बंदियों की स्किल का मूल्यांकन किया और उन्हें प्रमाणपत्र प्रदान किए। कुलगुरु प्रोफेसर दिनेश कुमार ने अभियान को पूरा करने के लिए मूल्यांकन एवं प्रमाणन विभाग की संयुक्त निदेशक शिखा गुप्ता को बधाई दी। उन्होंने कहा कि कौशल किसी भी व्यक्ति का जीवन बदल सकता है। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय प्रत्येक कौशल अभियान में अपनी भागीदारी के लिए हमेशा तत्पर है।

जेलों में परीक्षा देते बंदी।

कौन-कौन से कौशल में मिली सफलता

संयुक्त निदेशक शिखा गुप्ता ने अनुसार, बंदियों को उनकी रूचि के आधार पर 08 जॉब रोल में प्रशिक्षण दिया गया है। जिनमें सबसे अधिक रूचि तकनीकी और कारीगरी जॉब रोल में देखने को मिली। 163 बंदियों ने असिस्टेंट इलेक्ट्रीशियन, 152 बंदियों ने कारपेंटरी, 84 बंदियों ने वेल्डिंग एंड फेब्रिकेशन, 67 ने डाटा एंट्री ऑपरेटर, 65 ने प्लम्बर और 56 ने असिस्टेंट ब्यूटी थेरेपिस्ट की स्किल परीक्षा पास की। 58 बंदियों ने टेलरिंग में स्किल परीक्षा पास की।

काउंसलिंग और नैतिक शिक्षा भी बनी अहम कड़ी: शिखा गुप्ता

मूल्यांकन एवं प्रमणन विभाग की संयुक्त निदेशक शिखा गुप्ता ने बताया कि कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग ने 17 जेलों में बंदियों को उनकी रुचि के 08 जॉब रोल के अनुसार उनको प्रशिक्षण दिया। इसके मूल्यांकन का जिम्मा श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के मूल्यांकन एवं प्रमाणन विभाग को दिया गया। सितंबर और अक्तूबर में विभिन्न 17 जेलों में जाकर मूल्यांकन एवं प्रमणन विभाग की टीमों ने बंदियों की स्किल परीक्षा ली। सभी को श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय की ओर से कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग के माध्यम से प्रमाण पत्र प्रदान किए गए हैं। यह बंदी जेलों से बाहर आकर अपने कौशल के बल पर अपना रोजगार शुरू कर सकते हैं। स्किल मूल्यांकन के साथ-साथ जेलों में बंदियों की काउंसलिंग की भी गई और नैतिक शिक्षा के पहलुओं से भी उन्हें अवगत करवाया गया है ताकि वह कौशल के साथ-साथ अपने व्यवहार से भी समाज में एक अलग पहचान बना सकें। उन्होंने यह महत्वपूर्ण दायित्व दिए जाने पर कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग का आभार जताया और सहयोग के लिए जेल विभाग की भी सराहना की। शिखा गुप्ता ने कहा कि यह बंदी जेलों से बाहर आकर न केवल सम्मानजनक जीवन जीने में सक्षम होंगे बल्कि कौशल से उनके जीवन में आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास भी आएगा।

680 बंदियों ने जेलों में हासिल किया कौशल

सबसे ज्यादा 163 बंदियों ने असिस्टेंट इलेक्ट्रीशियन और 152 बंदियों ने कारपेंटरी में स्किल परीक्षा की पास

नेशनल प्रहरी/संवाददाता

पलवल। कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग के माध्यम से प्रदेश सरकार जेलों में बंदियों की जिंदगी बदलने की दिशा में कारगर कदम उठा रही है। इस अभियान में श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय भी भागीदारी निभा रहा है। बंदियों को जेलों में कौशल प्रदान कर उन्हें रोजगार के साथ जोड़ने की मुहिम रंग ला रही है। प्रदेश की 17 जेलों में बंदियों को विभिन्न जॉब रोल में प्रशिक्षण दिया गया। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के मूल्यांकन एवं प्रमाणन विभाग ने 680 बंदियों की स्किल का मूल्यांकन किया और उन्हें प्रमाणपत्र प्रदान किए। कुलगुरु प्रोफेसर दिनेश कुमार ने इस अभियान को पूरा करने के लिए मूल्यांकन एवं प्रमाणन विभाग की संयुक्त निदेशक शिखा गुप्ता को बधाई दी। उन्होंने कहा कि कौशल किसी भी व्यक्ति का जीवन बदल सकता है। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय प्रत्येक कौशल अभियान में अपनी भागीदारी के लिए हमेशा तत्पर है। मूल्यांकन एवं प्रमाणन विभाग की संयुक्त निदेशक शिखा गुप्ता ने बताया कि कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग ने 17 जेलों में बंदियों को उनकी रुचि के आठ जॉब रोल के अनुसार उनको प्रशिक्षण दिया और इसके मूल्यांकन का जिम्मा श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के मूल्यांकन एवं प्रमाणन विभाग को दिया गया। सितंबर और अक्टूबर माह में विभिन्न 17 जेलों में जाकर मूल्यांकन एवं प्रमाणन विभाग की टीमों ने बंदियों की स्किल परीक्षा ली। सबसे ज्यादा 163 बंदियों ने असिस्टेंट इलेक्ट्रीशियन, 152 बंदियों ने कारपेंटरी में स्किल परीक्षा दी। संयुक्त निदेशक शिखा गुप्ता ने बताया कि 84 बंदियों ने वेल्डिंग एन्ड फेब्रिकेशन, 67 ने डाटा एंट्री ऑपरेटर, 65 ने प्लम्बर और 56 ने असिस्टेंट ब्यूटी थेरेपिस्ट की स्किल परीक्षा पास की। इसके अतिरिक्त 58 बंदियों ने टेलरिंग में स्किल परीक्षा पास की। सभी को श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय की ओर से कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग के माध्यम से प्रमाणपत्र प्रदान किए गए हैं। यह बंदी जेलों से बाहर आकर अपने कौशल के बल पर अपना रोजगार शुरू कर सकते हैं। संयुक्त निदेशक शिखा गुप्ता ने बताया कि स्किल मूल्यांकन के साथ-साथ जेलों में बंदियों की काउंसलिंग की भी गई और नैतिक शिक्षा के पहलुओं से भी उन्हें अवगत करवाया गया है ताकि वह कौशल के साथ-साथ अपने व्यवहार से भी समाज में एक अलग पहचान बना सकें। उन्होंने यह महत्वपूर्ण दायित्व दिए जाने पर कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग का आभार जताया और सहयोग के लिए जेल विभाग की भी सराहना की। संयुक्त निदेशक शिखा गुप्ता ने कहा कि यह बंदी जेलों से बाहर आकर न केवल सम्मानजनक जीवन जीने में सक्षम होंगे, बल्कि कौशल से उनके जीवन में आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास भी आएगा।

680 बंदियों ने पास की कौशल विकास विभाग की परीक्षा

जेल की दीवारों के भीतर जागी नयी उम्मीद

चंडीगढ़, 16 नवंबर (ट्रिन्यू)

जेल की कठोर दीवारों और बंद दरवाजों के बीच भी उम्मीद की किरणें जगह बना लेती हैं। हरियाणा की 17 जेलों में यह दृश्य अब साफ दिखाई दे रहा है। प्रदेश सरकार के कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग और श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय की साझेदारी में शुरू हुई पहल ने 680 बंदियों के जीवन में नये सपने बो दिए हैं। यह सिर्फ प्रशिक्षण नहीं, बल्कि उन लोगों की जिंदगी को नयी दिशा देने का प्रयास है, जो समाज में लौटकर एक सम्मानजनक पहचान बनाना चाहते हैं। इस अभियान के तहत विश्वविद्यालय के मूल्यांकन एवं प्रमाणन विभाग ने जेलों में जाकर बंदियों की स्किल परीक्षा ली और उन्हें प्रमाणपत्र दिए।

विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. दिनेश कुमार कहते हैं कि कौशल इंसान को नयी रोशनी दिखाता है। यह किसी को भी फिर से खड़ा होने की ताकत दे सकता है। हमें खुशी है कि विश्वविद्यालय इस परिवर्तनकारी पहल का हिस्सा बना। कौशल विकास विभाग ने बंदियों की रुचि और योग्यता के अनुसार आठ जॉब रोल चुने और सितंबर-अक्तूबर में विश्वविद्यालय की टीमों ने सभी 17 जेलों में जाकर मूल्यांकन किया। इन सभी को श्रीविश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय की ओर से आधिकारिक प्रमाणपत्र दिए गए, जो जेल से बाहर निकलते ही उनके लिए रोजगार का आधार बनेंगे।

संयुक्त निदेशक (मूल्यांकन एवं प्रमाणन) शिखा गुप्ता बताती हैं कि यह सिर्फ स्किल ट्रेनिंग का कार्यक्रम नहीं था। उन्होंने कहा कि हमने हर जेल में जाकर बंदियों की काउंसलिंग की। उन्हें समझाया कि कौशल तभी प्रभावी है जब सोच में भी बदलाव आए।

17 जेलों में 680 कैदियों ने सीखे रोज़गार के हुनर

विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय ने परीक्षा का आयोजन किया।

NBT न्यूज, चंडीगढ़ : हरियाणा की 17 जेलों में सजा काट रहे अपराधी भी अब स्किल ट्रेनिंग लेकर अपने जीवन में बदलाव कर रहे हैं। कौशल विकास और औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग से यह प्रशिक्षण दिलाया जा रहा है। विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय ने परीक्षा का आयोजन किया। सबसे ज्यादा 163 कैदियों ने असिस्टेंट इलेक्ट्रिशियन और 152 कैदियों ने कारपेंटर में परीक्षा पास की। इन कैदियों को सामान्य विद्यार्थियों की भांति श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के प्रमाण पत्र भी दिए जा रहे हैं। मूल्यांकन और प्रमाणन विभाग की संयुक्त निदेशक शिखा गुप्ता ने रविवार को बताया कि 17 जेलों में बंदियों को आठ तरह की ट्रेनिंग दी गई। इसके मूल्यांकन का जिम्मा मा कौशल विश्वविद्यालय के मूल्यांकन और प्रमाणन विभाग को दिया गया।

17 जेलों में बंदियों को उनकी रुचि के अनुसार आठ तरह की ट्रेनिंग दी गई

680 बंदियों ने जेलों में हासिल किया कौशल

सबसे ज्यादा 163 बंदियों ने असिस्टेंट इलेक्ट्रीशियन में स्किल परीक्षा पास की

हाड़ौती अधिकार

पलवल, 16 नवम्बर। कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग के माध्यम से प्रदेश सरकार जेलों में बंदियों की जिंदगी बदलने की दिशा में कारगर कदम उठा रही है। इस अभियान में श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय भी भागीदारी निभा रहा है। बंदियों को जेलों में कौशल प्रदान कर उन्हें रोजगार के साथ जोड़ने की मुहिम रंग ला रही है। प्रदेश की 17 जेलों में बंदियों को विभिन्न जॉब रोल में प्रशिक्षण दिया गया। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के मूल्यांकन एवं प्रमाणन विभाग ने 680 बंदियों की स्किल का मूल्यांकन किया और उन्हें प्रमाणपत्र प्रदान किए। कुलगुरु प्रोफेसर दिनेश कुमार ने इस अभियान को पूरा करने के लिए मूल्यांकन एवं प्रमाणन विभाग की संयुक्त निदेशक शिखा गुप्ता को बधाई दी। उन्होंने कहा कि कौशल किसी भी व्यक्ति का जीवन बदल सकता है। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय प्रत्येक कौशल अभियान में अपनी भागीदारी के लिए हमेशा तत्पर है।

मूल्यांकन एवं प्रमाणन विभाग की संयुक्त निदेशक शिखा गुप्ता ने बताया कि कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग ने 17 जेलों में बंदियों को उनकी रुचि के आठ जॉब रोल के अनुसार उनको प्रशिक्षण दिया और इसके मूल्यांकन का जिम्मा श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के मूल्यांकन एवं प्रमाणन विभाग को दिया गया। सितंबर और अक्टूबर माह में विभिन्न 17 जेलों में जाकर मूल्यांकन एवं प्रमाणन विभाग की टीमों ने बंदियों की स्किल परीक्षा ली। सबसे ज्यादा 163 बंदियों ने असिस्टेंट इलेक्ट्रीशियन, 152 बंदियों ने कारपेंटरी में स्किल परीक्षा दी। संयुक्त निदेशक शिखा गुप्ता ने बताया कि 84 बंदियों ने वेल्डिंग एन्ड फेब्रिकेशन, 67 ने डाटा एंट्री ऑपरेटर, 65 ने प्लम्बर और 56 ने असिस्टेंट ब्यूटी थेरेपिस्ट की स्किल परीक्षा पास की। इसके अतिरिक्त 58 बंदियों ने टेलरिंग में स्किल परीक्षा पास की। सभी को श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय की ओर से कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग के माध्यम से प्रमाणपत्र प्रदान किए गए हैं। संयुक्त निदेशक शिखा गुप्ता ने बताया कि स्किल मूल्यांकन के साथ-साथ जेलों में बंदियों की काउंसलिंग भी की गई। संयुक्त निदेशक शिखा गुप्ता ने कहा कि यह बंदी जेलों से बाहर आकर न केवल सम्मानजनक जीवन जीने में सक्षम होंगे।

जेल में बंद 680 बंदियों ने हासिल किया कौशल

जागरण संवाददाता, पलवल : विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग के माध्यम से प्रदेश सरकार जेलों में बंदियों की जिंदगी में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रभावी कदम उठा रही है। इस पहल में श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय भी सक्रिय भागीदारी निभा रहा है। बंदियों को जेलों में कौशल प्रदान कर उन्हें रोजगार से जोड़ने की यह मुहिम सफल होती दिख रही है। प्रदेश की 17 जेलों में बंदियों को विभिन्न जॉब रोल में प्रशिक्षण दिया गया है। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के मूल्यांकन एवं प्रमाणन विभाग ने 680 बंदियों की स्किल का मूल्यांकन किया और उन्हें प्रमाणपत्र प्रदान किए। कुलगुरु प्रोफेसर दिनेश कुमार ने इस अभियान को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए मूल्यांकन एवं प्रमाणन विभाग की संयुक्त निदेशक शिखा गुप्ता को बधाई दी। उन्होंने कहा कि कौशल किसी भी व्यक्ति का जीवन बदल सकता है और विश्वविद्यालय हमेशा कौशल विकास अभियानों में अपनी भागीदारी के लिए तत्पर है।

संयुक्त निदेशक शिखा गुप्ता ने बताया कि कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग ने 17 जेलों में बंदियों को उनकी रुचि के अनुसार आठ जॉब रोल में प्रशिक्षण दिया। इसके मूल्यांकन का कार्य श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के मूल्यांकन एवं प्रमाणन विभाग को सौंपा गया। सितंबर और अक्टूबर में विभिन्न जेलों में जाकर मूल्यांकन एवं प्रमाणन विभाग की टीमों ने बंदियों की स्किल परीक्षा ली।

परीक्षा देते हुए बंदी • विश्वविद्यालय

सबसे अधिक 163 बंदियों ने असिस्टेंट इलेक्ट्रीशियन, 152 ने कारपेंटरी में स्किल परीक्षा दी। इसके अलावा, 84 बंदियों ने वेल्डिंग एंड फेब्रिकेशन, 67 ने डाटा एंट्री ऑपरेटर, 65 ने प्लम्बर और 56 ने असिस्टेंट ब्यूटी थेरेपिस्ट की स्किल परीक्षा पास की। 58 बंदियों ने टेलरिंग में भी सफलता प्राप्त की। सभी को श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय की ओर से कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग के माध्यम से प्रमाणपत्र प्रदान किए गए हैं।

संयुक्त निदेशक शिखा गुप्ता ने बताया कि स्किल मूल्यांकन के साथ-साथ जेलों में बंदियों की काउंसलिंग भी की गई और नैतिक शिक्षा के पहलुओं से भी उन्हें अवगत कराया गया। उन्होंने कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग का आभार व्यक्त किया और जेल विभाग के सहयोग की सराहना की। गुप्ता ने कहा कि ये बंदी जेलों से बाहर आकर न केवल सम्मानजनक जीवन जीने में सक्षम होंगे, बल्कि कौशल से उनके जीवन में आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास भी आएगा।

कौशल विकास व आईटीआई विभाग की पहल

प्रदेश की जेलों में 680 बंदियों ने हासिल किया कौशल

हरियाणा मेल, एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की जेलों में सजा काट रहे अपराधी भी अब स्किल ट्रेनिंग लेकर अपने जीवन में बदलाव कर रहे हैं। कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग के माध्यम से यह प्रशिक्षण दिलाया जा रहा है। खास बात यह है कि इन कैदियों को सामान्य विद्यार्थियों की भांति श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के प्रमाण पत्र भी दिए जा रहे हैं। प्रदेश की 17 जेलों में बंदियों को विभिन्न जॉब रोल में प्रशिक्षण दिया गया। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के मूल्यांकन एवं प्रमाणन विभाग ने 680 बंदियों की स्किल का मूल्यांकन किया और उन्हें प्रमाणपत्र प्रदान किए। कुलगुरु प्रोफेसर दिनेश कुमार व मूल्यांकन एवं प्रमाणन विभाग की संयुक्त निदेशक शिखा गुप्ता ने रविवार को चंडीगढ़ में जारी जानकारी में बताया कि कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग ने 17 जेलों में बंदियों को उनकी रुचि के आठ जॉब रोल के अनुसार उनको प्रशिक्षण दिया और इसके मूल्यांकन का जिम्मा श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के मूल्यांकन एवं प्रमाणन विभाग को दिया गया। सितंबर और अक्टूबर माह में विभिन्न 17 जेलों में जाकर मूल्यांकन एवं प्रमाणन विभाग की टीमों ने बंदियों की स्किल परीक्षा ली। जिसका परिणाम सबसे ज्यादा 163 बंदियों ने असिस्टेंट इलेक्ट्रीशियन, 152 बंदियों ने कारपेंटर में स्किल परीक्षा दी। संयुक्त निदेशक शिखा गुप्ता ने बताया कि 84 बंदियों ने वेल्डिंग एन्ड फेब्रिकेशन, 67 ने डाटा एंट्री ऑपरेटर, 65 ने प्लम्बर और 56 ने असिस्टेंट ब्यूटी थेरेपिस्ट की स्किल परीक्षा पास की।

163 बंदियों ने असिस्टेंट इलेक्ट्रीशियन, 152 बंदियों ने कारपेंटर में स्किल परीक्षा दी

हरियाणा की जेलों में 680 बंदियों ने हासिल किया कौशल

ब्यूरो / गुडगांव मेल

चंडीगढ़, 16 नवंबर। हरियाणा की जेलों में सजा काट रहे अपराधी भी अब स्किल ट्रेनिंग लेकर अपने जीवन में बदलाव कर रहे हैं। कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग के माध्यम से यह प्रशिक्षण दिलाया जा रहा है। खास बात यह है कि इन कैदियों को सामान्य विद्यार्थियों की भांति श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के प्रमाण पत्र भी दिए जा रहे हैं।

प्रदेश की 17 जेलों में बंदियों को विभिन्न जॉब रोल में प्रशिक्षण दिया गया। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के मूल्यांकन एवं प्रमाणन विभाग ने 680 बंदियों की स्किल का मूल्यांकन किया और उन्हें प्रमाणपत्र प्रदान किए। कुलगुरु प्रोफेसर दिनेश कुमार व मूल्यांकन एवं प्रमाणन विभाग की संयुक्त निदेशक शिखा गुप्ता ने रविवार को चंडीगढ़ में जारी जानकारी में बताया कि कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग ने 17 जेलों में बंदियों को उनकी रुचि के आठ जॉब रोल के अनुसार उनको प्रशिक्षण दिया और इसके मूल्यांकन का जिम्मा श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के मूल्यांकन एवं प्रमाणन विभाग को दिया गया।

सितंबर और अक्टूबर माह में विभिन्न 17 जेलों में जाकर मूल्यांकन एवं प्रमाणन विभाग की टीमों ने बंदियों की स्किल परीक्षा ली। जिसका परिणाम सबसे ज्यादा 163 बंदियों ने असिस्टेंट इलेक्ट्रीशियन, 152 बंदियों ने कारपेंटर में स्किल परीक्षा दी। संयुक्त निदेशक शिखा गुप्ता ने बताया कि 84 बंदियों ने वेल्डिंग एन्ड फेब्रिकेशन, 67 ने डाटा एंट्री ऑपरेटर, 65 ने प्लम्बर और 56 ने असिस्टेंट ब्यूटी थेरेपिस्ट की स्किल परीक्षा पास की। इसके अतिरिक्त 58 बंदियों ने टेलरिंग में स्किल परीक्षा पास की। सभी को श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय की ओर से कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग के माध्यम से प्रमाणपत्र प्रदान किए गए हैं। यह बंदी जेलों से बाहर आकर अपने कौशल के बल पर अपना रोजगार शुरू कर सकते हैं। संयुक्त निदेशक शिखा गुप्ता ने बताया कि स्किल मूल्यांकन के साथ-साथ जेलों में बंदियों की काउंसलिंग की भी गई और नैतिक शिक्षा के पहलुओं से भी उन्हें अवगत करवाया गया है ताकि वह कौशल के साथ-साथ अपने व्यवहार से भी समाज में एक अलग पहचान बना सकें। संयुक्त निदेशक शिखा गुप्ता ने कहा कि यह बंदी जेलों से बाहर आकर न केवल सम्मानजनक जीवन जीने में सक्षम होंगे, बल्कि कौशल से उनके जीवन में आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास भी आएगा।

हरियाणा की जेलों में 680 बंदियों ने हासिल किया कौशल

■ कौशल विकास व आईटीआई विभाग की पहल

जगत क्रान्ति ▸▸ चण्डीगढ़ (हि.स.)

हरियाणा की जेलों में सजा काट रहे अपराधी भी अब स्किल ट्रेनिंग लेकर अपने जीवन में बदलाव कर रहे हैं। कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग के माध्यम से यह प्रशिक्षण दिलवाया जा रहा है। खास बात यह है कि इन कैदियों को सामान्य विद्यार्थियों की भांति श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के प्रमाण पत्र भी दिए जा रहे हैं।

प्रदेश की 17 जेलों में बंदियों को विभिन्न जॉब रोल में प्रशिक्षण दिया गया। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के मूल्यांकन एवं प्रमाणन विभाग ने 680 बंदियों की स्किल का मूल्यांकन किया और उन्हें प्रमाणपत्र प्रदान किए। कुलगुरु प्रोफेसर दिनेश कुमार व मूल्यांकन एवं प्रमाणन विभाग की संयुक्त निदेशक शिखा गुप्ता ने रविवार को चंडीगढ़ में जारी जानकारी में बताया कि कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग ने 17 जेलों में बंदियों को उनकी रुचि के आठ जॉब रोल के अनुसार उनको प्रशिक्षण दिया और इसके मूल्यांकन का जिम्मा श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के मूल्यांकन एवं प्रमाणन विभाग को दिया गया।

सितंबर और अक्टूबर माह में विभिन्न 17 जेलों में जाकर मूल्यांकन एवं प्रमाणन विभाग की टीमों ने बंदियों की स्किल परीक्षा ली। जिसका परिणाम सबसे ज्यादा 163 बंदियों ने असिस्टेंट इलेक्ट्रीशियन, 152 बंदियों ने कारपेंटर में स्किल परीक्षा दी। संयुक्त निदेशक शिखा गुप्ता ने बताया कि 84 बंदियों ने वेल्डिंग एन्ड फेब्रिकेशन, 67 ने डाटा एंट्री ऑपरेटर, 65 ने प्लम्बर और 56 ने असिस्टेंट ब्यूटी थेरेपिस्ट की स्किल परीक्षा पास की। इसके अतिरिक्त 58 बंदियों ने टेलरिंग में स्किल परीक्षा पास की। सभी को श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय की ओर से कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग के माध्यम से प्रमाणपत्र प्रदान किए गए हैं। यह बंदी जेलों से बाहर आकर अपने कौशल के बल पर अपना रोजगार शुरू कर सकते हैं। संयुक्त निदेशक शिखा गुप्ता ने बताया कि स्किल मूल्यांकन के साथ-साथ जेलों में बंदियों की काउंसलिंग की भी गई और नैतिक शिक्षा के पहलुओं से भी उन्हें अवगत करवाया गया है ताकि वह कौशल के साथ-साथ अपने व्यवहार से भी समाज में एक अलग पहचान बना सकें। संयुक्त निदेशक शिखा गुप्ता ने कहा कि यह बंदी जेलों से बाहर आकर न केवल सम्मानजनक जीवन जीने में सक्षम होंगे, बल्कि कौशल से उनके जीवन में आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास भी आएगा।

680 बंदियों ने जेलों में हासिल किया कौशल

चंडीगढ़(एचकेए ब्यूरो)। हरियाणा की जेलों में सजा काट रहे अपराधी भी अब स्किल ट्रेनिंग लेकर अपने जीवन में बदलाव कर रहे हैं। कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग के माध्यम से यह प्रशिक्षण दिलाया जा रहा है। खास बात यह है कि इन कैदियों को सामान्य विद्यार्थियों की भांति श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के प्रमाण पत्र भी दिए जा रहे हैं। प्रदेश की 17 जेलों में बंदियों को विभिन्न जॉब रोल में प्रशिक्षण दिया गया। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के मूल्यांकन एवं प्रमाणन विभाग ने 680 बंदियों की स्किल का मूल्यांकन किया और उन्हें प्रमाणपत्र प्रदान किए। कुलगुरु प्रोफेसर दिनेश कुमार व मूल्यांकन एवं प्रमाणन विभाग की संयुक्त निदेशक शिखा गुप्ता ने रविवार को चंडीगढ़ में जारी जानकारी में बताया कि कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग ने 17 जेलों में बंदियों को उनकी रुचि के आठ जॉब रोल के अनुसार उनको प्रशिक्षण दिया और इसके मूल्यांकन का जिम्मा श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के मूल्यांकन एवं प्रमाणन विभाग को दिया गया। सितंबर और अक्टूबर माह में विभिन्न 17 जेलों में जाकर मूल्यांकन एवं प्रमाणन विभाग की टीमों ने बंदियों की स्किल परीक्षा ली। जिसका परिणाम सबसे ज्यादा 163 बंदियों ने असिस्टेंट इलेक्ट्रीशियन, 152 बंदियों ने कारपेंटर में स्किल परीक्षा दी। संयुक्त निदेशक शिखा गुप्ता ने बताया कि 84 बंदियों ने वेल्डिंग एन्ड फेब्रिकेशन, 67 ने डाटा एंट्री ऑपरेटर, 65 ने प्लम्बर और 56 ने असिस्टेंट ब्यूटी थेरेपिस्ट की स्किल परीक्षा पास की। इसके अतिरिक्त 58 बंदियों ने टेलरिंग में स्किल परीक्षा पास की। सभी को श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय की ओर से कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग के माध्यम से प्रमाणपत्र प्रदान किए गए हैं। यह बंदी जेलों से बाहर आकर अपने कौशल के बल पर अपना रोजगार शुरू कर सकते हैं। संयुक्त निदेशक शिखा गुप्ता ने बताया कि स्किल मूल्यांकन के साथ-साथ जेलों में बंदियों की काउंसलिंग की भी गई और नैतिक शिक्षा के पहलुओं से भी उन्हें अवगत करवाया गया है।